CBSE Class 11 Hindi Core A
NCERT Solutions
Chapter 20
Syed Raza Haider

1. रज़ा ने अकोला में ड्राइंग अध्यापक की नौकरी की पेशकश क्यों नहीं स्वीकार की?
उत्तर:- मध्य प्रदेश सरकार ने लेखक रज़ा को बंबई के 'जे. जे .स्कूल ऑफ़ आर्ट्स ' में दाखिला लेने के लिए छात्रवृत्ति दी थी पर लेखक जब वहाँ पहुँचा तो दाखिला बंद हो चुका था ।लेखक से छात्रवृत्ति वापिस ले ली गई और उन्हें अकोला में ड्राइंग अध्यापक की नौकरी की पेशकश की गई। लेखक रज़ा को बंबई शहर, यहाँ का वातावरण, गैलेरियाँ, यहाँ के लोग और मित्र बहुत पसंद आए और उन्होंने यहीं रहने का अपना मन बना लिया था । वह यहीं रहकर अध्ययन भी करना चाहता था इसलिए रज़ा ने अकोला में ड्राइंग अध्यापक की नौकरी की पेशकश नहीं स्वीकार की।

2. बंबई में रहकर कला के अध्ययन के लिए रज़ा ने क्या-क्या संघर्ष किए?
उत्तर:- रज़ा जब बंबई आए तो सबसे पहले उन्हें एक्सप्रेस ब्लाक स्टूडियो में डिजायनर की नौकरी तो मिल गई पर रहने का कोई उचित स्थान न मिला। वे अपने किसी परिचित ड्राइवर के ठिकाने पर रात बिताते। उनकी दिनचर्या बहुत कड़ी थी। सुबह दस-से-शाम छह बजे तक नौकरी और उसके बाद मोहन आर्ट क्लब में जाकर पढ़ना। कुछ दिनों बाद उन्हें स्टूडियो के आर्ट डिपार्टमेंट का कमरा मिला परंतु सोना उन्हें तब भी फ़र्श पर ही होता था। वे रात ग्यारह-बारह बजे तक गलियों के चित्र या तरह-तरह के स्केच बनाते रहते थे। इस तरह बंबई में रहकर कला के अध्ययन के लिए रज़ा ने संघर्ष किए।

3. भले 1947 और 1948 में महत्त्वपूर्ण घटनाएँ घटी हों, मेरे लिए वे कठिन बरस थे - रज़ा ने ऐसा क्यों कहा?
उत्तर:- रज़ा ने इन्हें कठिन बरस इसलिए कहा है क्योंकि इसी दौरान उनकी माँ की मृत्यु हुई थी। उनके पिताजी को मंडला लौट जाना पड़ा था और उसके अगले ही साल उनका भी देहांत हो गया। 1947 में भले हमें स्वतंत्रता मिल गई थी परंतु सभी को विभाजन की त्रासदी भी झेलनी पड़ी, साथ ही गाँधीजी की हत्या ने समूचे देश को ही हिला दिया था। तब लेखक केवल 25 वर्ष का था इसलिए भी उन पर इन सभी बातों का गहरा असर पड़ा था अत: इन्हीं सब घटनाओं के कारण रज़ा ने इन वर्षों को कठिन बरस कहा है।

4. रज़ा के पसंदीदा फ्रेंच कलाकार कौन थे?
उत्तर:- रज़ा के पसंदीदा फ्रेंच कलाकार सेजाँ, वॉन, गोगॉ, पिकासो, मातीस, शागील, ब्रॉक थे।

5. तुम्हारे चित्रों में रंग है, भावना है, लेकिन रचना नहीं है। तुम्हें मालूम होना चाहिए कि चित्र इमारत की तरह बनाया जाता है - आधार, नींव, दीवारें, बीम, छत; और तब जाकर वह टिकता है - यह बात
क. किसने,किस संदर्भ में कही?

ख. रज़ा पर इसका क्या प्रभाव पड़ा?
उत्तर:- क. उपर्युक्त कथन फ्रेंच फोटोग्राफर 'हेनरी कार्तिए ब्रेसॉ' ने लेखक के चित्रों के संदर्भ में अपनी टिप्पणी देते हुए कहा है।
ख. फ्रेंच फोटोग्राफर हेनरी कार्तिए ब्रेसॉ की टिप्पणी का रज़ा पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ा। बंबई लौटते ही रज़ा ने फ्रेंच सीखने के लिए अलयांस फ्रांस में दाखिला लिया और अपना ध्यान पेंटिंग की बारीकियों पर केंद्रित करने लगे। (टिप्पणी के समय लेखक श्रीनगर में था ।)

---

6. रज़ा को जलील साहब जैसे लोगों का सहारा न मिला होता तो क्या तब भी वे एक जाने-माने चित्रकार होते? तर्क सहित लिखिए।
उत्तर:- रज़ा को जलील साहब जैसे लोगों का सहारा न मिला होता; तब भी वे एक जाने-माने चित्रकार होते क्योंकि रज़ा में चित्रकार बनने की अदम्य आकांक्षा थी। प्रतिभाशाली व्यक्ति की कला कभी-न-कभी तो सामने आती ही है ; हाँ, यह बात और है कि जलील साहब के कारण रज़ा को आर्थिक कठिनाइयों से मुक्ति अवश्य मिली परंतु संघर्ष, लगन और धुन तो रज़ा की ही थी जिसके कारण देर-सवेर उन्हें तो प्रसिद्ध होना ही था।

---

7. चित्रकला व्यवसाय नहीं, अंतरात्मा की पुकार है - इस कथन के आलोक में कला के वर्तमान और भविष्य पर विचार कीजिए।
उत्तर:- यह बात शत-प्रतिशत सही है कि चित्रकला व्यवसाय नहीं, अंतरात्मा की पुकार है। जो इस कला को अपनाना चाहता है;उसे कला की व्यावसायिकता से बचना होगा क्योंकि आज के परिवेश में चित्रकला विशुद्ध व्यावसायिक हो चली है। कलाकार भी इसी व्यावसायिकता का शिकार हो रहे हैं । उनका लक्ष्य इस व्यवसाय से अधिक-अधिक लाभ कमाना रह गया है इसलिए आज कला में वह बात नहीं रह गई है। आज भी कलाकार कालजयी बन सकता है; यदि वह अपनी कला को अपनी अंतरात्मा से जोड़ दे तभी तो उसके भावों को सच्ची अभिव्यक्ति मिलेगी ।

8 . हमें लगता था कि हम पहाड़ हिला सकते हैं - आप किन क्षणों में ऐसा सोचते हैं?

उत्तर:- सामाजिक समस्या या बदलाव की जब कभी भी बातें होती है तो हमें लगता है कि हम पहाड़ हिला सकते हैं अर्थात किसी भी असंभव कार्य को संभव बना सकते हैं ।उस क्षण हमारा मन आत्मविश्वास से परिपूर्ण होता है ।

• भाषा की बात

1. जब तक मैं बंबई पहुँचा, तब तक जे.जे.स्कूल में दाखिला बंद हो चुका था - इस वाक्य को हम दूसरे तरीके से भी कह सकते हैं।
मेरे बंबई पहुँचने से पहले जे.जे.स्कूल में दाखिला बंद हो चुका था।
नीचे दिए वाक्यों को दूसरे तरीके से लिखिए -
क. जब तक मैं प्लेटफ़ॉर्म पहुँचती तब तक गाड़ी जा चुकी थी।
ख. जब तक डॉक्टर हवेली पहुँचता तब तक सेठ की मृत्यु हो चुकी थी।
ग. जब तक रोहित दरवाज़ा बंद करता तब तक उसके साथी होली का रंग लेकर अंदर आ चुके थे।
घ. जब तक रूचि कैनवास हटाती तब तक बारिश शुरू हो चुकी थी।
उत्तर:- क. मेरे प्लेटफॉर्म पहुँचने से पहले गाड़ी जा चुकी थी।
ख. डॉक्टर के हवेली पहुँचने से पहले सेठ की मृत्यु हो चुकी थी।

ग. रोहित के दरवाज़ा बंद करने से पहले उसके साथी होली का रंग लेकर अंदर आ चुके थे।

घ. रूचि के कैनवास हटाने से पहले बारिश शुरू हो चुकी थी।

2. आत्मा का ताप पाठ में कई शब्द ऐसे आए हैं जिनमें ऑ का इस्तेमाल हुआ है, जैसे - ऑफ, ब्लॉक, नॉर्मल।
नीचे दिए गए शब्दों में यदि ऑ का इस्तेमाल किया जाय तो शब्द के अर्थ में क्या परिवर्तन आएगा?
दोनों शब्दों का वाक्य-प्रयोग करते हुए अर्थ के अंतर को स्पष्ट कीजिए -
हाल, काफ़ी, बाल
उत्तर:-

हाल - दशा वाक्य- अपने मित्र का हाल देखकर मुझे रोना आ गया ।	हॉल - बड़ा कमरा वाक्य - विद्यालय के हॉल में चित्र प्रदर्शनी लगी है।
काफ़ी - पर्याप्त वाक्य - घर में चावल सालभर के लिए काफ़ी है।	कॉफ़ी - एक पेय वाक्य - मेरी माँ बहुत अच्छी कॉफ़ी बनाती है।
बाल - केश वाक्य - तुम्हारे बाल कितने सुंदर और लंबे हैं।	बॉल - गेंद वाक्य - पिताजी मेरे लिए नई बॉल लाए हैं।